ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :05.12.2023

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2023-12-05 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	06/12/2023	07/12/2023	08/12/2023	09/12/2023	10/12/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	15.0	15.0	14.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	6.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	110	110	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0-15.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0-6.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। हवा 6 किमी/घंटा की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का पूर्वानुमान है। क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमान की प्रवृत्ति सामान्य अधिकतम और न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति के साथ-साथ 01-07 दिसंबर के लिए बड़े पैमाने पर कमी वाले वर्षा पैटर्न का संकेत देती है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है तो सारी कृषि गतिविधियां आवश्यकतानुसार की जा सकती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीट की उपस्थिति के मामले में नियमित निगरानी और उपयुक्त नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	बुआई/अंकुरण	पछेती किस्मों की बुआई की जा सकती है। सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए।
जौ	बुआई/अंकुरण	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद के लिए गाय के गोबर का उपयोग करना चाहिए।
सब्जी मटर	वानस्पतिक	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
फूलगोभी	वानस्पतिक	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस/ गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।